Regarding desiltation of Kosi River bed-Laid

श्री दिनेश चंद्र यादव **(**मधेपुरा**) :** नेपाल से निकलने वाली कोसी नदी में प्रत्येक साल बरसात के समय भारी बाढ़ आती है । पानी के साथ इतना मिट्टी (गाद) रहता है कि नदी का सतह उँचा होने के साथ किसानों के खेतों मे भी प्रत्येक वर्ष 3 से 4 फीट मिट्टी का सतह भी ऊँची हो जाती है । नदी में तो इतना सिलटेसन हो गया है कि कम बाढ़ आने पर भी दोनों तटबंध पर टूटने का खतरा मंडराने लगता है । इसी वर्ष नेपाल क्षेत्र में अत्यधिक वर्षा होने के कारण भीमनगर बैराज से लगभग 7 लाख क्यूसेक पानी छोड़ने के लिए सभी फाटक खोल दिए गए । एक रात में ही प्रभावित क्षेत्रों के घरों में 5 से 6 फीट पानी आ गया । यदि पश्चिमी तटबंध नहीं टूटता तो भारी जान-माल की क्षति होती । कोसी नदी को राष्ट्रीय नदी घोषित किया गया है । इस कारण गाद निकालने पर पूर्ण रोक है । यहाँ तक कि स्थानीय लोग भी उस गाद को निकालकर घर दरवाजा भी ऊँचा नहीं कर सकते है । मैं भारत सरकार से मांग करता हूँ कि एक योजना बनाकर कोसी नदी का सतह नीचे रखने के लिए मिट्टी (गाद) निकाली जाय । जिससे बाढ़ का पानी भी सुगमता से निकल सकें ।